रक्षा कमानी केजरीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार कानपुर ने इस बार के जवाब दिये हैं

बायो-ज्यॉग्रफ़ी में करिअर

मैं कक्षा 11वीं का छात्र हूँ। मैंने अपने दोस्त से बायो-ज्यॉग्रफ़ी कोर्स के बारे में सुना। क्या इस कोर्स को करने से मैं एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकता हूँ। देश में रह कर इस कोर्स को किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कितनी बेहतर संभवनाएँ हैं?

दिव्यांशु बघेल, चंडीगढ़

उत्तर

कला के इस क्षेत्र में करिअर की शुरुआत करने के लिए भूगोल में स्नातक कर सकते हैं। भारत के कई विश्वविद्यालयों से इस विषय में तीन वर्षीय कोर्स किया जा सकता है। इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है। कुछ विश्वविद्यालय ज्यॉग्रफ़ी से बी.एस.सी. कराते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में मास्टर डिग्री, पी.एच.डी. तथा एम.फिल कर सकते हैं। इस स्तर पर आप बायो-ज्यॉग्रफ़ी की तरह विशेष क्षेत्र में कार्टोग्राफ़ी, नगर नियोजन, क्षेत्रीय योजना, प्राकृतिक भूगोल, जलवायु, समुद्र विज्ञान, जनसंख्या अध्ययन के साथ-साथ आर्थिक और पर्यावरण भूगोल के क्षेत्र में अपना करिअर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में बायो-ज्यॉग्रफ़ी एक विशेष शाखा है। इसमें दुनिया भर में पशुओं और पौधों के वितरण का अध्ययन किया जा सकता है। इसके अतंर्गत जीव विज्ञान, भूगोल और जलवायु के आंकड़े एकत्र करना शामिल है। दिल्ली यूनिवर्सिटी, अमेठी यूनिवर्सिटी, एस.एन.डी.टी. वूमेन यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आदि से इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मोटर इंजीनियरिंग

मैं कक्षा 9 का छात्र हूँ। भविष्य में मोटर इंजीनियर बनना चाहता हूँ। मुझे बताएं कि मैं किस प्रकार मोटर इंजीनियर बन सकता हूँ और आगे किस विषय से पढ़ाई करनी चाहिए ?

रमेश भारद्वाज, मेरठ

उत्तर

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग अथवा वाहन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में व्यापक गुंजाइश के साथ यह एक चुनौतीपूर्ण करिअर है। इस क्षेत्र में वाहनों के डिज़ाइन, विकास, निर्माण तथा कारों, ट्रकों, मोटर साइकिल और स्कूटर से संबंधित परिक्षण आदि उप-इंजीनियरिंग आदि में शामिल हैं। कुशल ऑटोमोबाइल इंजीनियर बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इस व्यवसाय में कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़-संकल्प और प्रतिबद्धता की जरूरत है। ऑटोमोबाइल इंजीनियर बनने के लिए भौतिक, रसायन के साथ गणित में 10+2 से पास होना अनिवार्य है। प्रमुख संस्थानों में अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, गुवाहाटी, आई.आई.टी. कानपुर तथा बी.एच.यू. आदि शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

मैंने मीडिया के क्षेत्र से ग्रेजुएशन पूरा किया है। मैं इलेक्ट्रानिक मीडिया के क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहती हूं। जानकारी दें।

अंकिता शर्मा, जम्मू

उत्तर

आज के समय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो और टेलीविजन शामिल हैं। वैसे तो प्रिंट मीडिया में करिअर की बेहतर संभावनाएँ हैं लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का दायरा भी खूब बढ़ रहा है। इसके लिए मिलनसार व्यक्तित्व, तेजी से सोचने की क्षमता, रचनात्मकता, टीम वर्क, आत्म विश्वास, तार्किक सोच जैसी विशेषताएँ होनी चाहिएं। प्रमुख संस्थानों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिस्म एंड न्यू मीडिया, बंगलौर, एशियन एकेडमी ऑफ फ़िल्म एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी, आई.आई.एम.सी. आदि प्रमुख हैं।

ग़रीबों की सेवा की इच्छा

मैं जीवविज्ञान से इस वर्ष कक्षा12वीं की परीक्षा दे रहा हूँ। मेरा सपना है कि मैं डॉक्टर बनकर ग़रीब तथा लाचार लोगों की मदद कर सकूँ। अगर मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो क्या कोई और कोर्स है जिससे मैं इस कार्य को पूरा कर सकूँ?

-अभिनव सिंह, देहरादून

उत्तर

यह वास्तव में बहुत अच्छा है कि आप डॉक्टर बनकर गरीबों की सेवा करना चाहते हैं। अपने सपने को पूरा करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखे और आप जो भी बनना चाहते हैं उसमें विश्वास रखें। दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। एक बात और स्पष्ट करना चाहती हूँ कि जीवन में साफ़ दृष्टि कोण और मिशन की जरूरत होती है। जीव विज्ञान का छात्र होने के नाते आप एम.बी.बी.एस. के अलावा बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक चिकित्सा और सर्जरी (बी.ए.एम.एस.), बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बी.डी.एस.), बी.एच.एम.एस., बी.फार्मा तथा क्लीनिकल रिसर्च पाठ्यक्रम को करके अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

अंतरिक्ष विज्ञानी बनने की चाह

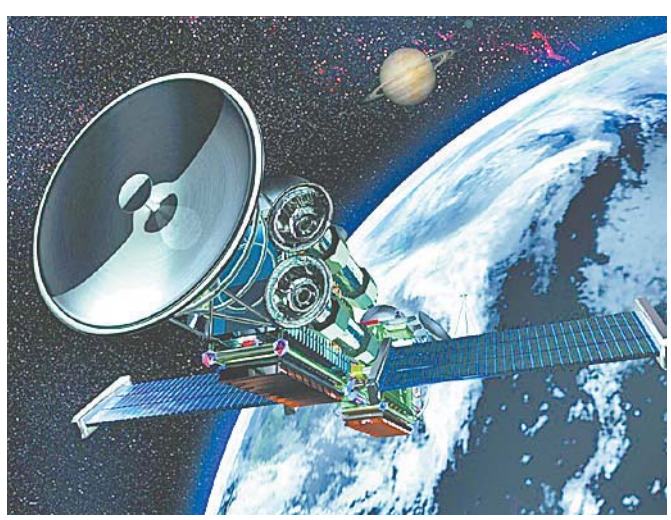

मैं शुरुआत से ही अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला से प्रेरित हूँ। भविष्य में इनकी तरह बनना चाहता हूँ। मुझे इस क्षेत्र में जाने के लिए क्या करना चाहिए। कृपया उचित सलाह देकर मार्ग दर्शन करें?

रचित यादव, सोलन

उत्तर

कल्पना चावला अंतरिक्ष यात्री और अंतरिक्ष शटल मिशन विशेषज्ञ थी। आपको विमान और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करने की ज़रूरत है। ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में शिक्षा प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीके हैं। यदि आप एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में भविष्य बनाना चाहते हैं तो आपको अच्छे संस्थान से बीटेक करना आवश्यक है। इस क्षेत्र में प्रवेश लेने के लिए आपको आई.आई.टी. जे.ई.ई., ए.आई.ई.ई.ई., वी.आई.टी., बी.आई.टी.एस. की तरह आई.आई.एस.टी., डब्लू.बी.जे.ई.ई. और दूसरे राज्यों द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा को पास करना होगा। एयरोस्पेस और ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए देश के प्रमुख संस्थान बिरला प्रोद्यौगिकी संस्थान, रांची, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, मुंबई, आई.आई.टी. कानपुर, एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग संस्थान, हैदराबाद आदि शामिल हैं।

होनहार विद्यार्थी

दिनचर्या की पक्की आकांक्षा

आकांक्षा गुप्ता

कक्षा- 11, सेंट जॉन इंटरमीडिएट कॉलेज, नवाबगंज, कानपुर।

उपलब्धियाँ

2009- प्राणी उद्यान विभाग द्वारा आयोजित निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान।
2010- हाई स्कूल परीक्षा में 86 प्रतिशत अंक
2011- महिला संरक्षण विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान।
2011- सीनियर इंटर स्कूल कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग।

आई.ए.एस. बनने का सपना

आई.ए.एस. बनने का सपना देखने वाली आकांक्षा, इस पद को ख़ास मकसद के लिए हासिल करना चाहती है। उसका मानना है कि समाज में बदलाव करने के लिए प्रशासनिक पद पर होना जरूरी है। इससे आप कारगर और बेहतर तरीके से बदलाव कर सकते हैं। इस सपने को पूरा करने के लिए वह दिन में कम से कम 6 घंटे अवश्य पढ़ती हैं और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करती हैं।

दिनचर्या का विशेष महत्व

आकांक्षा अपने जीवन के एक दिन को भी बर्बाद नहीं जाने देती हैं। इसके लिए वह भरपूर कोशिश करती हैं कि पूरे दिन का सही उपयोग कर सके। सुबह 6 बजे उठकर पढ़ने से अपने दिन की शुरुआत करने वाली यह बेटी अपने घर के कामों में भी माँ का सहयोग करती है। वह कहती है कि हर व्यक्ति को दिनचर्या बनाकर उसका पालन करना चाहिए। अपनी सफलता का श्रेय शिक्षक पिता को देती है।

संगीत का है शौक

पढ़ते-पढ़ते आकांक्षा अगर बोर हो जाती है तो वह गाने सुनना पसंद करती है। इसके साथ ही वह पेंटिंग और ड्राइंग भी बनाती हैं। इसके लिए उन्हें कई पुरस्कार भी प्रदान किये जा चुके हैं।

प्रस्तुतिः युवान ब्यूरो